



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

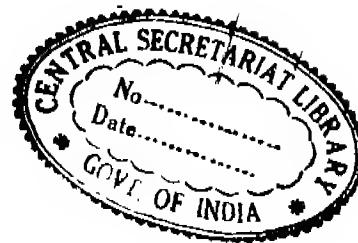
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 118]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 1979/चैत्र 26, 1901

No. 118]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1979/CHAITRA 26, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्घोग मंत्रालय

(अधीक्षोगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1979

सा. का. नि. 247(म).—खादी और ग्रामोदयोग आयोग अधिनियम, 1956(1956 का 61) की भाग 3 की उप-धारा (1) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्वयारा उक्त अधिनियम को शामिल करती है, अर्थात् :—

“पोलि वस्त्र” से भारत में हाथ से काटे गए सूती, रेशमी, ऊनी या कृत्रिम रेशेदार धारे अथवा उनमें से केवल दो के मिश्रण या सभी से भारत में हथ-करघों पर बूना हुआ अथवा भारत में हाथ से काटे गए सूती, रेशमी, ऊनी या कृत्रिम रेशेदार धारे या किन्हीं दो के मिश्रण या ऐसे सभी धारों से

भारत में हाथ से बूना हुआ कोई कपड़ा अभिप्रेत है।

[फाइल संख्या 6(13)/77-के.वी.आई. (1)]
एस. जे. कोएलो, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 1979

G.S.R. 247(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act, the following village industry, namely :—

“Poly Vastr” which means any cloth woven on handloom in India from yarn handspun in India from a mixture of man-made fibre with either cotton, silk or wool or with any two or all of them or from a mixture of man-made fibre yarn handspun in India with either cotton silk or woollen yarn handspun in India or with any two or all of such yarns.

[F. No. 6(13)/77-KVI(I)]
S. J. Koelho, Jr. Secy.

